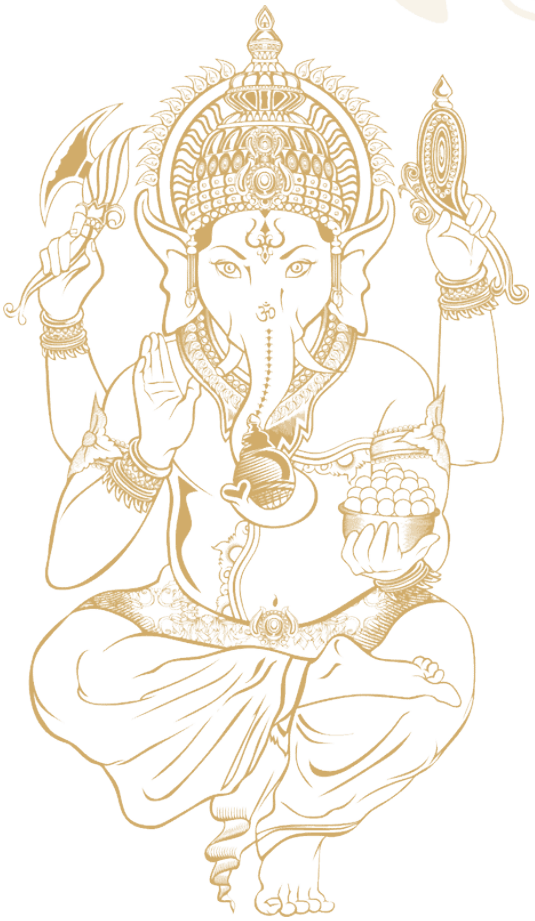

Mr.shivalik

Amrita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120438203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/05/1994	जन्म तिथि	21-22/10/1995
मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 17:34:00	जन्म समय	01:07:00 घंटे
घटी 31:23:52	जन्म समय(घटी)	48:10:35 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Patna
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	25:37:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:00:27	सूर्योदय	05:50:46
18:31:19	सूर्यास्त	17:16:54
23:46:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 9मा 16दि	27:40:24	तुला	लग्न	कर्क	29:47:32	सूर्य 2वर्ष 10मा 17दि	
बुध	09:18:42	वृष	सूर्य	तुला	04:07:46	राहु	
11/03/2017	00:10:12	वृश्चि	चंद्र	कन्या	03:35:58	08/09/2015	
11/03/2034	06:38:19	मेष	मंगल	वृश्चि	06:52:22	07/09/2033	
बुध 07/08/2019	01:17:07	मिथु	बुध	कन्या	16:04:17	राहु 21/05/2018	
केतु 03/08/2020	13:07:11	तुला व	गुरु	वृश्चि	20:14:05	गुरु 14/10/2020	
शुक्र 04/06/2023	10:20:41	मिथु	शुक्र	तुला	20:30:10	शनि 21/08/2023	
सूर्य 10/04/2024	17:54:10	कुंभ	शनि व	कुंभ	25:00:39	बुध 09/03/2026	
चन्द्र 09/09/2025	00:02:22	वृश्चि व	राहु	तुला	02:43:23	केतु 27/03/2027	
मंगल 06/09/2026	00:02:22	वृष व	केतु	मेष	02:43:23	शुक्र 27/03/2030	
राहु 26/03/2029	02:20:08	मक व	हर्ष	मक	02:49:30	सूर्य 19/02/2031	
गुरु 02/07/2031	29:20:48	धनु व	नेप	धनु	29:03:05	चन्द्र 20/08/2032	
शनि 11/03/2034	02:43:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	05:27:09	मंगल 07/09/2033	

लग्न-चलित

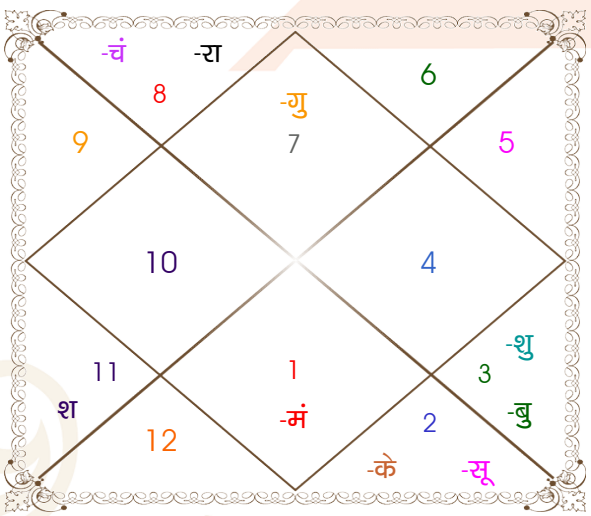

लग्न-चलित

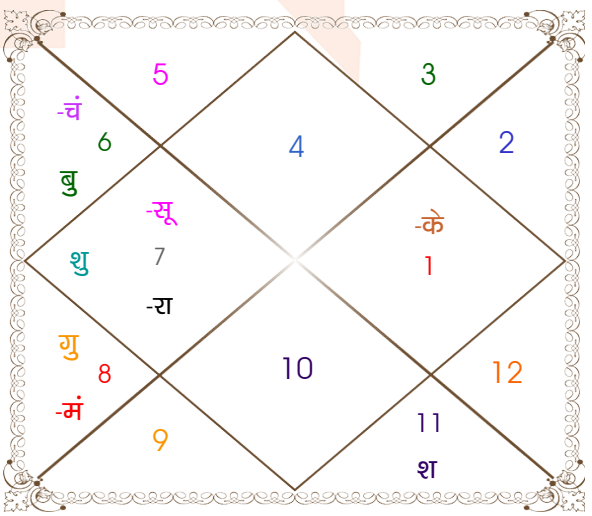

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतणैपअंसपा का वर्ग सर्प है तथा ।उतपजं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैपअंसपा और ।उतपजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैपअंसपा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतणैपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतणैपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।उतपजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डतणैपअंसपा तथा ।उतपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।